न्यूज डायरी

दक्षिण अफ्रीका में नाइट कर्फ्यू खत्म, बिना तबाही मचाए घटने लगे केस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। ओमीक्रोन की महालहर से जूझ रही दुनिया के लिए अच्छी खबर है। दक्षिण अफ्रीका ने कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिए दो वर्ष पहले लगाया गया रात का कर्फ्यू हटा दिया है। दक्षिण अफ्रीका वही देश है जहां पर ओमीक्रोन वेरिएंट का सबसे पहला मामला सामने आया था। अधिकारियों ने बताया कि देश कोविड–19 महामारी की अपनी चौथी लहर के चरम को शायद पार कर गया है। इस ऐलान के बाद तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के नये वेरिएंट ओमीक्रोन का सामना कर रहे भारत जैसे देशों के लिए इससे उम्मीद जगी है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति कार्यालय ने राष्ट्रीय कोरोना वायरस कमांड काउंसिल (एनसीसीसी) और राष्ट्रपति समन्वय परिषद (पीसीसी) की संपन्न बैठकों के बाद इस आश्य की घोषणा की। कार्यालय ने देश में वर्तमान में चल रही संक्रमण की चौथी लहर के प्रबंधन के बारे में अद्यतन जानकारी ली।

दुनियाभर में यूं मना नए साल का जश्न, दिखा ओमीक्रोन का साया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ओमीक्रोन महालहर के बीच दुनियाभर में अरबों लोगों ने साल 2022 का जोरदार अंदाज में स्वागत किया। यह लगातार दूसरा साल है जब दुनिया को कोरोना के कहर के बीच नए साल का स्वागत करना पड़ा है। कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए रूस में बहुचर्चित रेड स्क्वायर को शाम 5 बजे ही बंद कर दिया गया था। वहीं दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को जोरदार आतिशबाजी से जगमग कर दिया गया। कोरोना के खतरे को देखते हुए ही बर्लिन में ब्रांडेनबुर्ग गेट को बंद कर दिया गया। वहीं लंदन में शुरू में जश्न का कार्यक्रम रद होने के बावजूद टेम्स नदी के किनारे और कई अन्य इलाकों में जोरदार लाइट शो का आयोजन किया गया। वहीं ओमीक्रोन के सबसे पहले शिकार हुए दक्षिण अफ्रीका में रात का कर्फ्यू हटा लिए जाने के कारण वहां पर जमकर जश्न मनाया गया।

अमेरिका में गर्भपात, पुलिस जवाबदेही, करों पर नए कानून प्रभावी हुए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। नववर्ष की शुरूआत के साथ अमेरिका के कई राज्यों में कुछ नए कानून लागू हो गए। इसमें प्रमुख रूप से न्यूनतम मजदूरी वृद्धि, पशु संरक्षण, पुलिस जवाबदेही, करों में कटौती और वृद्धि सहित अन्य नए कानून पूरे अमेरिका में प्रभावी हो गए। न्यू हैम्पशायर में गर्भपात पर प्रतिबंध या इलिनायस, ओरेगन और नार्थ कैरोलाइना में पुलिस सुधार उपाय इस समय के सर्वाधिक विवादित कुछ मुद्दों का हल करेंगे। न्यू हैम्पशायर में गर्भधारण करने के 24 हफ्ते बाद गर्भपात पर प्रतिबंध होगा। हालांकि, माता के स्वास्थ्य को देखते हुए इसमें राहत दी जा सकती है। मेरीलैंड उन कुछ राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां पशुओं पर परीक्षण की गई सामग्री वाले किसी नए सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद की बिक्री निषिद्ध है।

डॉक्टर राबर्ट मलोने ने यूपी के कोरोना किट की जमकर प्रशंसा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के चर्चित वैज्ञानिक डॉक्ष्टर राबर्ट मलोने ने भारत के उत्त्तर प्रदेश में कोरोना के इलाज के लिए सरकार की ओर से दी गई किट की जमकर प्रशंसा की है। डॉक्ष्टर राबर्ट मलोने फाइजर, मॉडर्ना की कोरोना वैक्ष्सीन में इस्ष्तेमाल हो रही एमआरएनए तकनीक की खोज में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्ष्होंने कहा कष्ि पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात में यूपी में कोरोना के चमत्कारिक इलाज पर चर्चा की थी। डॉक्टर राबर्ट मलोने ने जो रोगन के शो में कहा, उत्तर प्रदेश, जैसाकि आप जानते हैं, उसने कोरोना को मात दे दी। इसके बारे में ज्यादा डिटेल में पूछे जाने पर डॉक्टर मलोन ने आइवरमैक्टीन दवा की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में वायरस बहुत तेजी से फैल रहा था। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या भी लगभग उतनी ही है जितनी कि अमेरिका की है। यह राज्य विशाल है और बहुत घना बसा है।

चीन ने 31 साल बाद पहली बार निकारागुआ में खोला दूतावास

कदम

विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि दोनों देशों के बीच 'वैचारिक आत्मीयता' है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मनागुआ। चीन ने वर्ष 1990 के बाद से पहली बार निकारागुआ में दूतावास खोला है। चीन ने यह कदम निकारागुआ के राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा की सरकार के ताइवान से संबंध समाप्त करने के बाद उठाया है। विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक प्रकार की 'वैचारिक आत्मीयता' है। मोनकाडा ने कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीके सिनोफार्म की दस लाख खुराक देने के लिए चीन का आभार भी व्यक्त किया।

दरअसल, ओर्टेगा की सरकार ने चीन के साथ 1985 में संबंध स्थापित किए थे, लेकिन 1990 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हार जाने के बाद देश के नए राष्ट्रपति विलेटा कामारो की सरकार ने ताइवान को मान्यता दे दी। निकारागुआ की सरकार ने ताइवान के साथ नौ दिसंबर को संबंध समाप्त कर लिए थे और पिछले सप्ताह उसने ताइवान के दूतावास

कार्यालय बंद कर दिए तथा कहा कि वे चीन के हैं। हालांकि चीन का नया दूतावास किसी और स्थान पर है तथा फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वह ताइवान की इमारत का क्या करेगा।

ताइवान ने 'ओर्टेगा शासन की गंभीर अवैध कार्रवाइयों' की निंदा की: ताइवान के राजनयिकों ने एक सप्ताह पहले प्रस्थान करने से पहले यह संपत्ति मनागुआ के रोमन कैथोलिक आर्चडीओसीज को दान करने का प्रयास किया था, लेकिन ओर्टेगा की सरकार ने कहा कि इस तरह का कोई भी दान अवैध होगा। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने 'ओर्टेगा शासन की गंभीर अवैध कार्रवाइयों' की निंदा करते हुए कहा कि निकारागुआ सरकार ने ताइवान के राजनयिकों को देश से बाहर जाने के लिए केवल दो सप्ताह का वक्त देकर मानक प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया है।

चीन पिछले कई दशकों से ताइवान के साथ राजनयिक रिश्ता रखने वाले देशों को अपने पाले में लाने के लिए काफी मशक्कत कर रहा था। इससे पहले चीन पनामा, अल सल्वाडोर और डोमिनिकल रिपब्लिकन को अपने पाले में ला चुका है। इससे पहले ताइवान और निकारागुआ के बीच स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में अस्थिर रिश्ते रहे हैं। साल 2007 में निकारागुआ के राष्ट्रपति डेनिअल ओर्टेगा के सत्ता में वापसी के बाद उन्होंने चीन और ताइवान दोनों के साथ संबंध स्थापित किए थे।

ताइवान के अभी मध्य अमेरिका में बेलघ्जि, ग्ष्वाटेमाला, होंडुरास दोस्त

चीन को निकारागुआ के साथ यह रिश्ता रास नहीं आया था। ताइवान के अभी मध्य अमेरिका में बेलिज, ग्वाटेमाला और होंडुरास दोस्त बने हुए हैं। उसके कुछ अन्य देशों जैसे हैती और पराग्वे के साथ भी राजनयिक रिश्ते हैं। बता दें कि ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते सैन्य तनाव के मध्य अमेरिका, चीन और ताइवान के बीच तनावपूर्ण त्रिकोणीय संबंध एक बार फिर सामने आए हैं। चीनी मुख्य भूमि के दक्षिण–पूर्वी तट से दूर छोटे, घनी आबादी वाले द्वीप की स्थिति पर गर्मागर्म विवाद है।

नए साल पर चीनी ड्रैगन की भड़काऊ हरकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीनी ड्रैगन ने अरुणाचल प्रदेश में नाम बदलने और भारतीय सांसदों को पत्र लिखने के बाद नए साल पर एक और घटिया हरकत की है। चीन ने लद्दाख की गलवान घाटी का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में चीनी सैनिक नए साल की बधाई देते नजर आ रहे हैं। भारतीय सीमा के पास मौजूद ये चीनी सैनिक कह रहे हैं कि हम देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। इनके पीछे पहाड़ी पर लिखा है, श्कभी भी एक इंच जमीन नहीं देंगे।

चीन ने एक और वीडियो जारी किया है जिसमें चीनी झंडे को तिब्बत के बर्फीले इलाके में एक ड्रोन से फहराया जा रहा है। चीनी सैनिक नए साल की बधाई दे रहे हैं। भारत और चीन के बीच पिछले कई महीने से लद्दाख में विवाद बना हुआ है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच 15 जून 2020 को खूनी झड़प हुई थी। इस झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, वहीं चीन के भी 40 से ज्यादा सैनिक मारे गए थे। हालांकि चीन आधिकारिक रूप से मरने वालों की संख्या 5 ही मानता है। इस झड़प के दौरान चीन के कमांडर समेत कई जवान घिर गए थे। यही नहीं जब भारतीय सैनिक भारी पड़ने लगे तब चीनी सेना ने और सैनिकों को बुला लिया था।

चीनी सैनिकों के पसीने बर्फ बन गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। कैमरे के सामने चीनी सैनिकों का अनुशासन पूरी दुनिया में मशहूर है। चीन की प्रॉपगैंडा मीडिया अक्सर अपने सैनिकों के ड्रिल को शानदार तरीके से प्रस्तुत करती है। परेड के दौरान भी चीनी सैनिकों का कदमताल देखते ही बनता है। लेकिन सैनिकों के इस मेहनत के पीछे अनुशासन कम और अमानवीयता ज्यादा होती है। हाल में ही सरकारी मीडिया ने एक वीडियो ट्वीट किया है, जिसमें कड़ाके की ठंड में खड़े चीनी सैनिकों के पसीने तक बर्फ बन गए हैं। दरअसल चीन ने हाल के दिनों में भारतीय सीमा से सटे इलाकों में रोबोट हथियारों को तैनात किया है। चीन ने पहले ही लद्दाख से सटे इलाकों में सैनिकों के लिए रोस्टर को लागू किया था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में सैनिक बीमार पड़ने लगे।

ईरान से तनाव, इजरायल ने अमेरिका से खरीदे 3.1 अरब डॉलर के लड़ाकू हेलीकॉप्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरुशलम। इजरायल ने एक दर्जन लॉकहीड मार्टिन सिकोरस्की हेलीकॉप्टर और दो बोइंग केसी–46 ईधन भरने वाले विमान खरीदने के लिए अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ये जानकारी इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने दी। एक बयान में, मंत्रालय ने शुक्रवार को हेलीकॉप्टर समझौते के दायरे में 2 अरब डॉलर और दो ईधन भरने वाले विमानों का 1.1 अरब डॉलर का अनुमान लगाया है।

मंत्रालय ने कहा कि लॉकहीड मार्टिन–सिकोरस्की हेलीकॉप्टर इजरायल वायु सेना के मौजूदा 'यासुर' हेलीकॉप्टरों की जगह

लेंगे। इस सौदे में छह अतिरिक्त हेलीकॉप्टर खरीदने का विकल्प भी शामिल है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पहले हेलीकॉप्टर के 2026 में इजरायल पहुंचने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि बोइंग ईधन भरने वाले विमानों के मंच को 'इजरायल वायु सेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया जाएगा और इजरायली प्रणालियों को विमान में एकीकृत किया जाएगा।'

मंत्रालय के अनुसार, 'यह सौदा एक बड़े पैमाने के कार्यक्रम का हिस्सा हैं जो मंत्रालय और सेना पिछले डेढ़ साल से कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य इजरायल की सैन्य क्षमताओं, बल निर्माण और मौजूदा और भविष्य के खतरों का सामना करने की तैयारी को मजबूत करना है।' इससे पहले इजरायल के हमले के मंडराते खतरे के बीच ईरान ने एक साथ 16 मिसाइलें दागकर नेफ्ताली बेनेट सरकार को सीधी चेतावनी दी थी। ईरानी सेना के जनरलों ने कहा है कि मिसाइलों की यह बारिश इजरायल के लिए खुली चेतावनी है। ईरान ने जिन मिसाइलों का परीक्षण किया है, वे 350 किमी से लेकर 2000 किमी तक मार करने में सक्षम हैं।

ब्राजील में मिला डायनासोर के 6 करोड़ साल पुराने अंडों से भरा घोसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रासीलिया। ब्राजील में जीवाश्म बन चुके डायनासोर के अंडों का घोसला मिला है। बताया जा रहा है कि ये अंडे 6 करोड़ साल पुराने हैं। ये अंडे मिट्टी में दब गए और बाद में जीवाश्म बन गए। डायनासोर के इस घोसले में 5 अंडे मिले हैं। पहले माना जाता था कि ये अंडे प्राचीन घड़ियाल के हैं लेकिन जांच करने पर इनकी असलियत सामने आई। यह घोसला ब्राजील के साओ पाउलो शहर शहर के प्रेसिडेंटे प्रूडेंटे इलाके में मिले हैं। जी1 की रिपोर्ट के मुताबिक जीवाश्घ्म विज्ञानी विलियम राबर्टो नावा की टीम ने इन अंडों का व्यापक विश्लेषण किया है। उन्होंने पाया कि ये अंडे घड़ियाल के अंडों से ज्यादा बड़े और मोटी खोल वाले हैं। इस स्थल पर हुई ज्यादातर खोजों के लिए जिम्मेदार नावा ने बताया कि डायनासोर के ये अंडे 4 से 5 इंच लंबे हैं और 2 से 3 इंच चौड़े हैं। वहीं प्राचीन घड़ियाल के अंडे 3 इंच से ज्यादा लंबे नहीं होते थे। डायनासोर के ये अंडे जमीन के अंदर सुरक्षित थे जो अब समय के साथ बलुआ पत्थर में बदल गई है।